सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

जल है तो कल है

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-6 • 31 JANUARY TO 06 FEBRUARY 2025 • VOLUME 28 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

प्रेरणा

"जिसके पास धैर्य है, वह जो चाहे वो पा सकता है..."

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

CONSULTING DESIGN TRAINING

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &
*Pay Money after the Visa

•IELTS •STUDY ABROAD

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.

*T&C apply

दिल्ली में पंजाब सीएम आवास कपूरथला हाउस पर चुनाव आयोग की छापेमारी

भगवंत मान बोले- भाजपा के इशारे पर पंजाबियों को बदनाम करने की साजिश

दिल्ली पुलिस ने दावे को किया खारिज

दिल्ली पुलिस ने 'आप' नेताओं के दावे को सिरे से खारिज कर दिया। दिल्ली पुलिस ने साफ किया कि भगवंत मान के घर पर कोई छापेमारी नहीं की गई। इसके बजाय, दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि रिटर्निंग ऑफिसर (डीएम, नई दिल्ली) के नेतृत्व में एक टीम सी-विजिल पोर्टल के माध्यम से प्राप्त एक शिकायत की जांच करने के लिए कपूरथला हाउस पहुंची थी। सी-विजिल पोर्टल लोगों को चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन से संबंधित शिकायतें दर्ज करने की अनुमति देता है, जिन्हें सत्यापित किया जाता है और 100 मिनट के भीतर हल किया जाता है।

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

दिल्ली में पंजाब के मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास कपूरथला हाउस पर चुनाव आयोग की रेड पर आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। 'आप' नेताओं ने घटना की सख्त आलोचना की और इसे बदले की भावना से प्रेरित कारवाई बताया।

इस घटना पर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने ट्वीट किया और लिखा कि आज दिल्ली पुलिस के साथ चुनाव आयोग की टीम दिल्ली में मेरे घर कपूरथला हाउस रेड करने पहुंची है। दिल्ली के अंदर भाजपा वाले खुले आम पैसे बांट रहे हैं पर दिल्ली पुलिस और चुनाव आयोग को कुछ नहीं दिख रहा है। उनपर कोई कार्रवाई नहीं हो रही। एक तरीके से दिल्ली पुलिस और चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर पंजाबियों को बदनाम कर रही है। यह बहुत निंदनीय है। 'आप' पंजाब के प्रधान अमन अरोड़ा ने कहा कि भाजपा हार से डरी हुई है इसलिए चुनाव का माहौल खराब करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता प्रवेश वर्मा लगातार पैसे बांट रहा है लेकिन चुनाव आयोग ने उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने कहा कि ये कार्रवाई भाजपा के इशारे पर हो रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग का रवैया बहुत भेदभाव वाला है। उन्होंने कहा कि कि चुनाव में जानबूझकर पंजाबियों को निशाना बनाया जा रहा है।

अरोड़ा ने भाजपा उम्मीदवार कैलाश गहलोत का भी उदाहरण दिया और कहा कि किस तरह वह अपने चुनाव कार्यालय में लोगों को पैसे बांट रहे थे। उन्होंने कहा कि पहले भी आप नेताओं के घर पर रेड करवाए गए थे, लेकिन जांच एजेंसियों को कुछ नहीं मिला। इस बार भी कुछ नहीं मिलने वाला है। उन्होंने ने अपने एक्स अकांउट पर लिखा कि आम आदमी पार्टी की जीत और अपनी हार को भाजपा स्वीकार नहीं कर पा रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री के दिल्ली आवास पर छापा भाजपा द्वारा पंजाब और पंजाबियों के खिलाफ बदले की अगली कड़ी है जिसे न तो पंजाब के लोग और न ही दिल्ली के लोग बर्दाश्त करेंगे।

वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर चुनाव आयोग की मुख्यमंत्री के आवास पर छापेमारी बेहद निंदनीय है। उन्होंने कहा कि भगवंत मान एक निर्वाचित मुख्यमंत्री हैं और इस तरह के कार्यों से गंदी राजनीति की बू आती है। चुनाव आयोग को ऐसी छापेमारी करने से पहले भाजपा नेताओं जो खुलेआम पैसे बांट रहे हैं, उसका संज्ञान लेना चाहिए। 'आप' विधायक जीवन ज्योत कौर ने भी इस घटना की निंदा की और सवाल किया कि चुनाव आयोग परवेश वर्मा के यहां कब रेड करेगी? उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर नाच रही है। यह बहुत निंदनीय है।

मौनी अमावस्या के दिन प्रयागराज से हुआ 364 ट्रेनों का संचालन

नई दिल्ली (जालंधर ब्रीज). भारतीय रेलवे ने मौनी अमावस्या के दिन संगम में पवित्र स्नान कर घर लौट रहे श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रयागराज के विभिन्न स्टेशनों से 364 आउटवर्ड ट्रेनों का संचालन किया। प्रयागराज महाकुंभ के दौरान एक दिन में चलाई गई ट्रेनों का यह नया रिकॉर्ड है। इसके साथ ही इस दौरान रेलवे द्वारा 77 इनवर्ड ट्रेनों का भी संचालन किया गया। आउटवर्ड ट्रेनों में 142 नियमित और 222 महाकुंभ मेला स्पेशल ट्रेनें शामिल हैं। नई दिल्ली में मीडिया को संबोधित करते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि मौनी अमावस्या के दिन 364 ट्रेनें प्रयागराज से चलाई गईं। रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों की टीम रेल भवन स्थित वॉर रूम से पूरी स्थिति पर रियल टाइम नजर रख रही है। राज्य सरकार के साथ लगातार समन्वय में ट्रेनें चलाई जा रही हैं। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और सीईओ और तीनों रेलवे जोन के जीएम मेला प्रशासन और राज्य सरकार के संपर्क में हैं ताकि श्रद्धालुओं को उनके घरों तक सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित की जा सके।

केजरीवाल पर जमकर बरसे अमित शाह

नई दिल्ली. विधानसभा चुनाव को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दिल्ली में रोड शो कर जनसभा को संबोधित किया। आम आदमी पार्टी पर हमलावर होते हुए अमित शाह ने कहा कि ये भ्रष्टाचार हटाने का नाम लेकर सत्ता में आए थे और हजारों करोड़ रुपए का घोटाला कर दिया। आप वादा-खिलाफी करने वाली पार्टी है। अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि हम राजनीतिक पार्टी नहीं बनाएंगे, लेकिन पार्टी बनाई। शीला दीक्षित को जेल में डालने की बात कही और कांग्रेस से समर्थन लेने का काम किया। शराब की दुकानें बंद कराने वाले थे, खुद ही शराब की बोतल बन गए। यमुना में डुबकी लगाने वाले थे लेकिन आज तक नहीं लगाई। इन्होंने पूरी दिल्ली को गंदा पानी पिलाने का काम किया और आज आरोप लगा रहे हैं कि हरियाणा सरकार ने पानी में ज़हर मिला दिया है। ये सब इनकी बहानेबाजी है।

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मैं केजरीवाल से कहना चाहता हूं कि

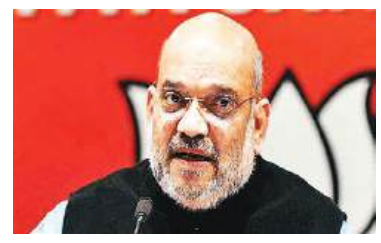

चुनाव जीतने के लिए झूठ बोलना बंद करो। ये कहते हैं कि भाजपा वालों ने दिल्ली वालों को परेशान करने के लिए हरियाणा से यमुना जी के जल में ज़हर मिलाया है। अरविंद केजरीवाल कौन-सा ज़हर मिलाया है? कौन सी लेबोरेटरी में आपने टेस्ट कराया है? उसका नाम बताइए। आप कह रहे हैं कि ज़हर मिलाया हुआ पानी आपने रोक दिया। यमुना का पानी रुकता है तो गांवों में बाढ़ आती है लेकिन, आप बताइए दिल्ली के किसी गांव में बाढ़ आई है क्या? आपदा को हटाने का मतलब है 10 सालों के अरविंद केजरीवाल के भ्रष्टाचार को जवाब देना।

लंडा मॉड्यूल के 4 सदस्य काबू, दो ग्रेनेड व दो पिस्तौल बरामद

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़/तरनतारन

तरनतारन पुलिस ने अमेरिका-स्थित आतंकवादी लखबीर सिंह उर्फ लंडा से जुड़े और अमेरिका-स्थित गुरदेव सिंह उर्फ जैसल चंबल तथा कनाडा-स्थित सतबीर उर्फ सत्ता नौशहरा द्वारा चलाए जा रहे मॉड्यूल का पर्दाफाश करते हुए संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद तरनतारन से चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने दी।

गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान तरनतारन के मुरादपुरा निवासी रोबिनजीत सिंह उर्फ रोबिन, तरनतारन के उस्मान निवासी हरप्रीत

सिंह उर्फ हैप्पी, गुरदासपुर के कलानौर निवासी नवजोत सिंह उर्फ नव और गुरदासपुर के घुम्मण कला निवासी जगदीप सिंह उर्फ जग्गा के रूप में हुई है। पुलिस टीमों ने उनके कब्जे से दो हैंड ग्रेनेड और दो अत्याधुनिक .30 बोर की पिस्तौल के साथ-साथ गोला-बारूद और तीन मैगजीन भी बरामद की हैं। इसके अलावा, पुलिस ने अपराध में प्रयुक्त उनकी बिना रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट वाली होंडा सिविक कार भी जब्त कर ली है।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पूछताछ के दौरान उन्होंने कबूल किया कि जब्त किए गए हैंड ग्रेनेड और हथियार जैसल चंबल द्वारा उसके अज्ञात साथी के माध्यम से सप्लाई किए गए थे और वे जैसल चंबल व सत्ता नौशहरा के कहने पर किसी को निशाना बनाने की योजना बना रहे थे। उन्होंने आगे बताया कि गिरफ्तार आरोपी जबरन वसूली और गिरोह से संबंधित हिंसक आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहे हैं।

कांग्रेस सांसद राकेश राठौर को प्रेस कॉन्फ्रेंस के बीच में ही किया गिरफ्तार, दुष्कर्म का है आरोप

नई दिल्ली. कांग्रेस सांसद राकेश राठौर को गुरुवार को पुलिस ने बलात्कार के एक मामले में गिरफ्तार कर लिया। उत्तर प्रदेश के सीतापुर के रहने वाले राठौर को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान गिरफ्तार किया गया और उनके आत्मसमर्पण करने के बाद पुलिस उन्हें भारी सुरक्षा के बीच अदालत ले गई।

राठौर की गिरफ्तारी इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ द्वारा मामले में उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज किए जाने के एक दिन बाद हुई। राठौर पर एक महिला से शादी करने का झांसा देकर चार साल तक उसका यौन शोषण करने का आरोप है। राठौर द्वारा दायर अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान की एकल पीठ ने यह आदेश पारित किया। याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वकील ने अदालत को बताया कि वादी ने चार साल बाद यह मामला दर्ज कराया है। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता को इस मामले में झूठा फंसाया गया है। उच्च न्यायालय ने याचिका का निपटारा करते हुए उन्हें दो सप्ताह के भीतर सत्र न्यायालय में आत्मसमर्पण करने को कहा। महिला द्वारा शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद 17 जनवरी को उत्तर प्रदेश पुलिस ने राठौर के खिलाफ मामला दर्ज किया था। 20 जनवरी को कांग्रेस सांसद के वकील अरविंद मसलन और दिनेश त्रिपाठी ने सीतापुर में अग्रिम जमानत के लिए याचिका दायर की थी।

तीन दिन बाद सीतापुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने राठौर की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। एक महिला ने राठौर के खिलाफ मामला दर्ज कराया था और 15 जनवरी को उन पर बलात्कार का आरोप लगाया था। अपनी शिकायत में महिला ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सांसद ने चार साल के अंतराल में कई बार उसके साथ बलात्कार किया और उसे राजनीतिक करियर में आगे बढ़ाने और उससे शादी करने का वादा किया।

अमेरिकन एयरलाइंस का विमान क्रैश, सभी लोगों की मौत

वाशिंगटन डीसी. अमेरिका के वॉशिंगटन के पास सेना के हेलिकॉप्टर से टकराए विमान में सवार सभी 67 लोग मारे गए। अधिकारियों ने कहा कि पुनर्प्राप्ति टीमों ने बर्फीले पानी से दो दर्जन से अधिक शव निकाले हैं। पीएसए एयरलाइंस द्वारा संचालित अमेरिकन एयरलाइंस का विमान विचिटा से राष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए उड़ान भर रहा था और हेलीकॉप्टर तीन सेवा सदस्यों के साथ एक प्रशिक्षण उड़ान पर था। अमेरिका के मध्य अटलांटिक क्षेत्र की एक प्रमुख नदी है। ये पश्चिम वर्जीनिया में पोटोमैक हाइलैंड्स से मैरीलैंड में चेसापीक खाड़ी तक पहती है। पोटोमैक नदी 405 मील लंबी है। ये यूएस की 21वीं सबसे बड़ी नदी है। इसके वाटरशेड में 50 लाख से अधिक लोग रहते हैं। इस नदी में बच पाना न के बराबर है। नदी का तापमान इतना कम है कि कोई तैर कर पानी से बाहर नहीं आ सकता।

कांग्रेस को वोट दोगे तो भाजपा को होगा फायदा : केजरीवाल

नई दिल्ली. दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस पर आगामी चुनावों में आम आदमी पार्टी (आप) का वोट शेयर खाने का आरोप लगाया और लोगों को राहुल गांधी को वोट न देने की चेतावनी दी। आप और कांग्रेस भ्रष्टाचार और खराब शासन को लेकर एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। जहां राहुल गांधी ने केजरीवाल पर शराब घोटाले का आरोप लगाया, वहीं आज दिल्ली के पूर्व सीएम ने कांग्रेस नेता पर आप के वोट शेयर में सेंध लगाने का आरोप लगाया।

आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा, "मैं आज कांग्रेस पार्टी के समर्थकों से बात करना चाहता हूँ। पिछले दिनों कुछ लोग मुझसे मिलने आए। मैंने उनसे पूछा कि वे किसे वोट देंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को। मैंने उनसे पूछा कि जब दिल्ली में कांग्रेस का कोई अस्तित्व ही नहीं रहा तो वे उसे क्यों वोट देंगे। उन्होंने कहा कि उन्होंने बरसों से कांग्रेस का ही बटन दबाया है तो आदत सी हो गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब पहले जैसी नहीं रही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस समर्थक कांग्रेस की जीत के लिए जितना काम करते हैं, पार्टी के नेता पार्टी को उतना हराने में लगे रहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि साफ दिख रहा है कि दिल्ली में कांग्रेस का एक ही मकसद है कि कैसे भी आप को हरवाओ। कांग्रेस दिल्ली में एक भी सीट जीतने

के लिए नहीं लड़ रही है। वे केवल आप को हराने के लिए बीजेपी के साथ मिलकर लड़ रही है। कांग्रेस के नेता भाजपा नेताओं के खिलाफ कुछ नहीं कहते, बल्कि केवल आप नेताओं के खिलाफ बोलते हैं। मैंने उनसे कहा कि अगर वे कांग्रेस को वोट देंगे तो भाजपा को फायदा होगा।

इससे पहले राहुल गांधी ने पूर्व उपमुख्यमंत्री और आप नेता मनीष सिसौदिया पर भी निशाना साधते हुए उन्हें अरविंद केजरीवाल के साथ 'शराब घोटाले का वास्तुकार बताया था। उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने एक भ्रष्ट सरकार चलाई। मोदी जी अपने भाषणों में झूठ बोलते हैं और उन्हीं की तरह केजरीवाल भी ऐसा ही करते हैं। पांच साल पहले उन्होंने कहा था कि वह यमुना में स्नान करेंगे और उसका पानी पीएंगे। पांच साल बीत गए और उन्होंने ऐसा नहीं किया।

अनुबंध खेती कृषि उद्योग व किसानों दोनों के लिए फायदेमंद

भारत फ्रेंच फ्राइज़ का एक प्रमुख निर्यातक बनकर उभरा, कंपनियों और किसानों की बढ़ती भागीदारी को जाता है श्रेय

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

सन 1992 में, अमेरिकी प्रसंस्कृत खाद्य कंपनी लैम्ब वेस्टन ने भारत में स्टार होटलों को आपूर्ति करने के लिए जमे हुए फ्रेंच फ्राइज़ (एफएफ) का आयात करना शुरू किया। कनाडा की बहुराष्ट्रीय कंपनी मैककेन फूड्स ने चार साल बाद, मैकडॉनल्ड्स के लिए एकमात्र आपूर्तिकर्ता के रूप में भारत में अपना पहला रेस्तरां खोला। जैसे जैसे आलू की खपत बढ़ी, वैसे-वैसे आयात भी बढ़ा।

वर्ष 2000 के दशक के मध्य तक यह सालाना 5,000 टन को पार कर गया तथा वर्ष 2010-11 (अप्रैल-मार्च) में 7,863 टन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। लेकिन वर्ष 2023-24 में जब आयात व्यावहारिक रूप से बंद हो गया है, तब भारत ने वास्तव में 1,478.73 करोड़ रुपये मूल्य के 1,35,877 टन फ्रेंच फ्राइज़ (एफएफ) का निर्यात किया है। वर्ष 2024 अप्रैल-अक्टूबर के दौरान, निर्यात 1,06,506 टन था और इसकी कीमत 1,056.92 करोड़ रुपये थी।

भारतीय फ्रेंच फ्राइज़ निर्यात मुख्य रूप से दक्षिण पूर्व एशिया (फिलीपींस, थाईलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया और वियतनाम), मध्य पूर्व (सऊदी अरब, यूएई और ओमान) और यहां तक कि जापान और ताइवान किया जाता है। हाइफन फूड्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हरेश करमचंदानी ने कहा, "हम इन बाजारों के लिए वैकल्पिक आपूर्तिकर्ता बन गए हैं, जो पहले केवल यूरोप और अमेरिका से आयात करते थे।"

अहमदाबाद मुख्यालय वाली इस कंपनी ने पिछले कैलेंडर वर्ष में भारत से निर्यात किए गए 1,75,000 टन फ्रेंच फ्राइज़ (एफएफ) में से लगभग 85,000 टन व साथ ही 12,000 टन आलू हैश ब्राउन में से 8,000 टन का निर्यात किया। अन्य प्रमुख निर्यातक इस्कॉन बालाजी फूड्स, फनवेव फूड्स और चिलफिल फूड्स (सभी गुजरात से) और अमेरिका स्थित जेआर सिम्पलॉट (इसका राज्य में भी एक प्लांट) हैं।

अनुबंध खेती मॉडल : वर्ष 2023-24 में 1,320 करोड़ रुपये की बिक्री दर्ज करने वाली हाईफन फूड्स ने गुजरात के मेहसाणा जिले में अपने संयंत्रों में 17 टन/घंटा एफएफ, 2.7 टन/घंटा स्पेशलिटी और 3.6 टन/घंटा आलू के गुच्छे के उत्पादन के लिए लगभग 700 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

लेकिन साल भर के संचालन के लिए कच्चे माल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने की तुलना में प्रसंस्करण क्षमता बनाना आसान है। यहीं पर अनुबंध खेती की बात आती है। वर्ष 2023-24 के मौसम में आलू अक्टूबर-नवंबर में बोया जाता है और फरवरी-मार्च में काटा जाता है। हाइफ़न ने गुजरात के बनासकांठा, साबरकांठा, गांधीनगर और मेहसाणा जिलों के 6,000 किसानों से 300,000 टन आलू खरीदा।

हाइफ़न किसानों को अगले महीने से कटने वाली फसल के लिए 13.8 रुपये प्रति किलोग्राम की पेशकश कर रहा है। यह कीमत, रोपण से पहले सितंबर में अनुबंधित की गई और खेत पर भुगतान योग्य है, 40 मिमी से अधिक व्यास वाले आलू के लिए है। अल्पेश नवीनभाई पटेल, जो 180 एकड़ (21 एकड़ खुद के और बाकी पट्टे पर) पर सैन्टाना किस्म की खेती करते हैं, ने बताया। 43 वर्षीय पटेल साबरकांठा के प्रांतिज तालुका के सोनासन गांव के कई लोगों में से एक हैं, जो कुल 3,900 एकड़ में आलू की खेती करते हैं और उसमें से 3,000 एकड़ विशेष रूप से हाइफन के लिए है।

(लेखक- हरीश दामोदरन, वरिष्ठ विश्लेषक)

चंडीगढ़ में भाजपा की मेयर

चंडीगढ़. भारतीय जनता पार्टी की हरप्रीत कौर बबला चंडीगढ़ मेयर चुनाव में विजयी रहीं। बबला 19 वोट हासिल कर शहर की नई मेयर बनीं। यह जीत क्रॉस-वोटिंग के बाद आई, जिसने बबला को आप-कांग्रेस गठबंधन से आगे निकलने में मदद की, जो केवल 17 वोट हासिल करने में कामयाब रहा। चंडीगढ़ नगर निगम के सभा कक्ष में मेयर, सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर पद के लिए चुनाव हुए। आप और कांग्रेस ने गठबंधन के तौर पर मेयर का चुनाव लड़ा था। जहां आप ने मेयर पद के लिए चुनाव लड़ा, वहीं कांग्रेस ने क्रमशः सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर पद के लिए अपने उम्मीदवार जसबीर सिंह बंटी और तरुणा मेहता को

खड़ा किया है। आप ने मेयर पद के लिए अपनी पार्षद प्रेम लता को मैदान में उतारा था। भाजपा के पास 16 पार्षद थे, जबकि कांग्रेस के पास 6 और आम आदमी पार्टी (आप) के पास 13 पार्षद थे। इस चुनाव में पार्षदों के अलावा चंडीगढ़ से सांसद मनीष तिवारी को भी नगर निगम के मनोनीत सदस्य के तौर पर मतदान का अधिकार दिया गया।

इन ऑफबीट डेस्टिनेशन पर बिता सकते हैं सुकून के पल, भागदौड़ से बचने के लिए करें प्लान

TRAVELLING

घूमना-फिरना सभी को खूब अच्छा लगता है। लेकिन कुछ लोग रोजाना की भागदौड़ से दूर ऐसी जगह पर समय बिताना चाहते हैं जहां शांति से कुछ समय रह सकें। ऐसे में हम आपको कुछ ऑफबीट डेस्टिनेशन के बारे में बता रहे हैं, जहां आप सुकून के पल बिता...

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

छुट्टी मिलते ही घुमक्कड़ लोग घूमने फिरने की प्लानिंग करना शुरू कर देते हैं। रोज की भागदौड़ और काम के प्रेशर से दूर लोग अक्सर अपने माइंड को रिफ्रेश करने के लिए घूमने जाना पसंद करते हैं। ऐसे में हर कोई जगह सिलेक्ट करते समय कंफ्यूज रहता है खास कर वह लोग जो भीड़-भाड़ और शोर-शराबे से दूर शांति और सुकून में समय बिताना चाहते हैं। ऐसे में सबसे बेस्ट है कि आप किसी ऑफबीट जगह को चुनें। यहां हम सुकून के पल बिताने के लिए बेस्ट ऑफबीट जगहों के बारे में बता रहे हैं।

1) जीरो, अरुणाचल प्रदेश

अरुणाचल प्रदेश की सबसे खूबसूरत जगहों में से एक जीरो सुंदरता से भरपूर है। भीड़-भाड़ से दूर जीरो भारत के खूबसूरत ऑफबीट डेस्टिनेशन में से एक है। इस जगह को चावल के खेतों और देवदार की पहाड़ियों के लिए जानी जाती है। सितंबर से नवंबर और मार्च से मई तक ये जगह घूमने के लिए बेस्ट है।

2) गोकर्ण, कर्नाटक

कई खूबसूरत समुद्री शहरों में से गोकर्ण भारत की अच्छी जगहों में से एक है। अपने प्राचीन अछूते समुद्र किनारों के लिए फेमस गोकर्ण खासतौर से एक मंदिरों वाला शहर है, जिसका वातावरण काफी आरामदायक है। भीड़-भाड़ से दूर कर्नाटक की इस जगह पर सूर्योदय और सूर्यास्त देखने का मजा लें। समुद्र किनारे पर बनी झोंपड़ियों में खाने और म्यूजिक का मजा लें।

3) पाटन, गुजरात

गुजरात का पाटन घूमने के लिए एक सुंदर ऑफबीट डेस्टिनेशन है। पाटन पटोला साड़ियों के लिए काफी फेमस है, जो दुनिया के बेहतरीन हाथ से बने कपड़ों में से एक है।

4) ताडोबा, महाराष्ट्र

महाराष्ट्र का यह शहर ताडोबा नेशनल पार्क ताडोबा-अंधारी टाइगर रिजर्व, ताडोबा झील, एराई बांध, मोहरली और खोसला गांव के लिए जाना जाता है। शहरों से दूर समय बिताने के लिए ये जगह सबसे अच्छी है। ताडोबा भारत में सबसे अच्छे टाइगर रिजर्व में से एक है और महाराष्ट्र में सबसे बड़ा है। यहां सफ़ारी के लिए जाएं या जंगल में रह भी सकते हैं।

DETOX YOUR MIND

दिमाग में आते हैं उल्टे-सीधे ख्याल तो ऐसे करें माइंड को डिटॉक्स

लगातार काम के प्रेशर ने दिमाग को थका दिया है तो रोजाना की ये आदतें आपके माइंड को डिटॉक्स कर रिफ्रेश करने में मदद करेगी।

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

जिस तरह से उल्टी-सीखे खानपान से शरीर को बचाने के लिए बॉडी डिटॉक्स की जाती है। उसी तरह से माइंड को भी उल्टे-सीधे ख्याल से बचाने के लिए डिटॉक्स की जरूरत होती है। लगातार काम का प्रेशर, फ्यूचर की टेंशन और तनाव माइंड को थका देता है। ऐसे में जरूरी है कि दिमाग को थोड़ा रिलैक्स किया जाए, जिससे कि माइंड रिफ्रेश हो। दिमाग को डिटॉक्स कर रिफ्रेश करना है तो कुछ खानपान बदलने की जरूरत नहीं लेकिन इन आदतों को जरूर शामिल करने की जरूरत है। जानें कैसे करें माइंड को डिटॉक्स।

ऐसे करें माइंड को क्लियर

दिमाग में आ रहे ख्याल और विचारों को क्लियर करना है तो सबसे पहले उन्हें लिखना शुरू कर दें। ऐसा करने से आप समझ जाएंगे कि दिमाग में चल रही कितनी बात काम की है और कितनी बात गैर जरूरी है। रोजाना ऐसा करने से कुछ दिनों में खुद ब खुद अंतर दिखेगा और माइंड ज्यादा क्लियर सोचना शुरू कर देगा।

अपना पसंदीदा काम करें

काम के प्रेशर और तनाव के बावजूद खुद के लिए समय निकालकर ऐसी जगह जाएं जहां जाना आपको खुशी देता है। गार्डेन, पार्क, समंदर किनारे बीच या फिर आपका प्यारा बेडरूम। वहां बैठकर थोड़ी देर रिलैक्स हों और वो काम करें जिससे खुशी मिलती हो।

आराम जरूरी है

आजकल भी भागदौड़ भरी और कंपटीशन से भरी दुनिया में हर कोई एक दूसरे को पीछे छोड़ना चाहता है। ऐसे में भागते-भागते थक गए तो इस रैट रेस से बाहर हो जाएं। कुछ देर के लिए दिमाग को आराम दें और कुछ भी ना करें। लगातार काम भी माइंड को थका देता है और मेंटल हेल्थ को नुकसान पहुंचाता है।

फोन को कहें बॉय

खाली टाइम या रिलैक्स होने का मतलब फोन और सोशल मीडिया चलाना नहीं है। कुछ देर के लिए माइंड को रिफ्रेश करना है तो फोन और नोटिफिकेशन को बंद कर दें। वर्चुअल वर्ल्ड से दूरी बनाएं। जिससे माइंड रिलैक्स होगा और रिफ्रेश भी।

खुद की जिम्मेदारी लें

खुद की सेहत को ठीक करना है दूसरों पर जिम्मेदारी ना डालें। एक्सरसाइज और अच्छे खाने का रूटीन सेट करना है खुद से कोशिश करें। पहले खुद के लिए कोशिश करनी होगी तभी दूसरे भी मदद करेंगे।

कौन सा काम पहले करना ये तय कर लें

रोजाना काम की लिस्ट बहुत लंबी होती है लेकिन तय करें कि कौन सा काम पहले करना है और कौन सा काम बाद में, ऐसा करने से आपको बहुत ज्यादा हड़बड़ी और दिमाग पर प्रेशर डालने की जरूर नहीं पड़ेगी।

डिस्क्लेमर : *यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।*

कटिंग बोर्ड से आ रही बदबू से इस तरह पाएं छुटकारा, गंदगी भी होगी साफ

कटिंग बोर्ड का इस्तेमाल सब्जियों की फाइन चॉपिंग करने में आता है। कुछ घरों में इसका इस्तेमाल बहुत ज्यादा होता है, जिसकी वजह से गंदी बदबू आने लगती है। इस बंदबू और गंदगी साफ करने के लिए यहां बताए तरीकों को अपनाएं।

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

किचन में कुछ चीजों का इस्तेमाल रोजाना किया जाता है। चकला, बेलन, तवा से लेकर रोजाना के बर्तन तक। इस चीजों में कटिंग बोर्ड भी शामिल है। सब्जियों की अच्छी चॉपिंग के लिए कटिंग बोर्ड का इस्तेमाल किया जाता है। ज्यादातर लोग प्याज, टमाटर, अदरक, लहसुन की फाइन चॉपिंग करने के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में कटिंग बोर्ड पर प्याज की स्मेल आने लगती है। पानी और डिटर्जेंट के खूब इस्तेमाल के बाद भी इस बदबू से निपटना मुश्किल होता है। ऐसे में कुछ तरीके हैं जिन्हें आप अपना सकते हैं।

कटिंग बोर्ड की बदबू से कैसे निपटें

पहला तरीका

इस बदबू से निपटने के लिए सबसे पहले कटिंग बोर्ड पर बेकिंग सोडा छिड़कें। फिर आधा कटा नींबू लें और इस नींबू से कटिंग बोर्ड को रगड़ना शुरू करें। अच्छे से रगड़ने के बाद सोड़ा और नींबू को कुछ देर के लिए बोर्ड पर ही रहनें दें। कम से कम 15 मिनट बाद ही कटिंग बोर्ड को पानी से धोएं।

दूसरा तरीका

इस तरीके में नींबू के साथ नमक का इस्तेमाल करें। हालांकि नमक के साथ रगड़ना मुश्किल हो सकता है। इसलिए जब आप कटिंग बोर्ड पर नमक छिड़कें तब नींबू का रस भी साथ में डाल दें। फिर अच्छे से नींबू से रगड़ें।

तीसरा तरीका

कटिंग बोर्ड की गंदी बदबू से निपटने के लिए आलू या फिर सेब का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए दोनों में से किसी एक चीज को कद्दूकस करें और फिर इसे बोर्ड पर कुछ देर के लिए रहने दें। बाद में इसे पानी से साफ करें।

टिप

कटिंग बोर्ड की गंदी बदबू से निपटने के लिए एक बाद ध्यान रखें कि जैसे ही आप इसका इस्तेमाल करें वैसे ही इसे धो दें।

आपका प्यार कहीं बन न जाए बच्चे की तरक्की में फंदा, समय रहते उठाएं सही कदम

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

इन दिनों ऐसी खबरों की भरमार है, जिनमें बड़े-बड़े संस्थानों में पढ़ने वाले बच्चे जीवन के छोटे-मोटे संघर्ष के आगे हार जाते हैं। वे व्यवहारिक ज्ञान के अभाव में अपने जीवन और रिश्ते में सामंजस्य नहीं बैठा पाते हैं। व्यक्तित्व विकास के लिए माता-पिता का सुरक्षात्मक घेरा तो जरूरी है, लेकिन एक सीमा तक ही, ताकि व्यक्ति को बचपन में खुद की गलतियों से सीखने का अवसर भी मिल सके।

आत्म-सम्मान और आत्मविश्वास में कमी - डॉ. ज्योति कपूर बताती हैं, 'माता-पिता के अति-सुरक्षात्मक घेरे से बच्चों में आत्मसम्मान और आत्मविश्वास में जबरदस्त कमी आ जाती है। दुनिया का सामना करने के लिए हर व्यक्ति अपने हुनर का इस्तेमाल करता है। अति-सुरक्षात्मक घेरा यह हुनर विकसित नहीं होने देता है।' इसके कारण व्यक्ति में लचीलेपन और आत्मविश्वास की कमी हो जाती है।

उग्र व्यवहार और अवसाद के शिकार - ऐसे बच्चे बड़े होने पर बहुत अधिक भावुक हो जाते हैं। उनसे यदि कोई काम नहीं हो पाता है, तो उन्हें अवसाद होने लगता है। वे या तो उग्र व्यवहार करने लगते हैं या फिर उदासीन हो जाते हैं।

असुरक्षा का भाव - इस तरह के बच्चों में ना सुनने की आदत विकसित नहीं हो पाती है। इससे उन्हें बहुत अधिक असुरक्षा का भाव होता है। वे ऐसा चाहते हैं कि दूसरे लोग हमेशा उन्हें पसंद करें।

हमेशा दबाव में रहना - अत्यधिक सुरक्षात्मक माता-पिता के बच्चे अपने पूरे जीवन में दबाव में रहते हैं। बड़े होने पर वे डरपोक, निर्णय लेने में असमर्थ व्यक्ति बन जाते हैं।

कैसे सुधारें अपना तरीका -पहले कदम से लेकर पहला स्कूल डांस तक, आपका बच्चा जीवन में ढेर सारी नई चीजें आजमाएगा। आपको उन्हें कुछ नया और रोमांचक करने के इन पहले अवसरों से डराना नहीं चाहिए। सुरक्षा का ख्याल रखना जरूरी है, लेकिन अपने मन से डर को निकाल दें और बच्चे को नई-नई चीजें और अनुभव आजमाने दें।

उनसे रोजमर्रा के काम की अपेक्षा करना जरूरी है। अपने बच्चे के साथ कुछ उचित नियम और सीमाएं निर्धारित जरूर करें।

डिस्क्लेमर : *यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।*

सनसेट एंग्जाइटी के लक्षण, कारण और बचाव के उपाय

HEALTH

अगर सूरज ढलते ही आपको चिंता, तनाव और घबराहट महसूस होने लगती है तो, हो सकता है आप सनसेट एंग्जाइटी के शिकार हैं। यह समस्या उन लोगों में ज्यादा देखने के लिए मिलती है, जो पहले से ही अपने रोजमर्रा के जीवन में स्ट्रेस और...

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

अगर सूरज डूबते ही आपका मन भी उदास होने लगता है, आपको जीवन में खालीपन महसूस होने के साथ अनजाना डर सताने लगता है, जिससे आप खुद को तनाव में महसूस करते हैं तो हो सकता है आप सनसेट एंग्जाइटी के शिकार हैं। सनसेट एंग्जाइटी ज्यादातर उन लोगों को अपना शिकार बनाती है, जो पहले से ही अपने जीवन में किसी तरह के स्ट्रेस या प्रेशर को झेल रहे होते हैं। बता दें, सनसेट एंग्जाइटी एक तरह की मानसिक स्थिति है, जिसमें व्यक्ति शाम के समय जरूरत से ज्यादा चिंता और सट्रेस फील करने लगता है। इस स्थिति में व्यक्ति को बहुत ज्यादा तनाव, डर या अनजाने भविष्य की चिंता सताने लगती है।

सनसेट एंग्जाइटी के लक्षण

- रात को सोने में मुश्किल हो सकती है।
- अकेलापन और खालीपन महसूस होना।
- सूर्यास्त के समय मन में उदासी और निगेटिविटी का आना।
- दिल की धड़कन तेज हो सकती है।
- शाम होते ही चिंता और बेचैनी का बढ़ जाना।
- पसीना आना।

- हाथ-पैरों में कंपन महसूस हो सकती है
- सांस फूलना।
- जरूरत से ज्यादा सोचना
- आत्मविश्वास की कमी हो सकती है।

सनसेट एंग्जाइटी के कारण

- डेली रूटीन सही नहीं होने से सनसेट एंग्जाइटी होती है।
- जिम्मेदारियों का दबाव
- पहले से अवसाद का होना
- जीवन में हुई कोई बुरी घटना
- जीवन का उद्देश्यहीन होना

सनसेट एंग्जाइटी से बचाव के उपाय

- सोने और उठने का एक समय।
- डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज करके तनाव और चिंता को कम करने की कोशिश करें।
- शाम को हल्का व्यायाम,योग, मेडिटेशन या टहलने जाएं।
- मनपसंद किताब पढ़ें
- निगेटिव विचारों से खुद को दूर रखें।
- परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताएं।
- पौष्टिक आहार लें।
- शाम होते ही हल्की रोशनी में रहें।
- नींद से समझौता न करें।
- शराब या कैफीन वाली चीजों को पीने से परहेज करें।

सलाह

- लंबे समय से बनी हुई सनसेट एंग्जाइटी से निजात पाने के लिए किसी एक्सपर्ट की मदद लें।

नोट : *इस खबर में बताए गए सुझाव सामान्य जानकारी पर आधारित हैं। इसलिए किसी भी उपचार/दवा/डाइट को अमल करने से पहले डाक्टर या संबंधित एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।*

सशक्तता के बीज : आगामी बजट में भारतीय कृषि सुधार पर जोर

भारतीय कृषि क्षेत्र अर्थव्यवस्था की आधारशिला है। यह क्षेत्र सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 18 प्रतिशत का योगदान देता है और लगभग 58 प्रतिशत आबादी को आजीविका प्रदान करता है। यह अनिवार्य क्षेत्र खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करता है और कई संबद्ध उद्योगों का समर्थन करता है। जैसे-जैसे हम वित्त वर्ष 2025-26 के लिए केंद्रीय बजट के करीब पहुंच रहे हैं, हमें उन असंख्य चुनौतियों को पहचानना चाहिए, जो इसकी स्थिरता और प्रगति को खतरे में डालती हैं। पिछले कुछ समय में, कमोडिटी की कीमतों में उतार-चढ़ाव और किसानों का बढ़ता कर्ज फिलहाल कृषि उत्पादकता और कल्याण पर विपरीत प्रभाव डालता है। मध्यम अवधि की चुनौतियों में जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों से निपटने के लिए स्थायी प्रणालियों को अपनाने की तत्काल आवश्यकता शामिल है, ताकि पारंपरिक कृषि पद्धतियां बाधित न हों। भविष्य का ध्यान रखते हुए, इस क्षेत्र को तेजी से बदलते आर्थिक परिदृश्य में अपनी महत्वपूर्ण स्थिति बनाए रखने के लिए नवाचार को अपनाकर और विकास की ओर बढ़ना चाहिए। नीति निर्माताओं को आगामी बजट में दीर्घकालिक सतत विकास पहलों के साथ इन तत्काल दबावों को रणनीतिक रूप से संतुलित करना चाहिए। संकटग्रस्त किसानों के लिए तत्काल राहत के उपायों को प्राथमिकता देकर, जलवायु-अनुकूल कृषि पद्धतियों में निवेश करके और नवाचार को बढ़ावा देकर, सरकार कृषि क्षेत्र के लिए एक व्यापक कार्यक्रम बना सकती है, जो आर्थिक विकास का समर्थन करे और भारतीय कृषि के भविष्य को सुरक्षित करे।

कृषि अनुसंधान एवं विकास में ऊंची छलांग - समय की आवश्यकता - भारतीय कृषि अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) को बहुत कम धन उपलब्ध है, जो वैश्विक औसत 1 प्रतिशत की तुलना में कृषि सकल घरेलू उत्पाद का केवल 0.4 प्रतिशत है। यह कमी नवाचार और जलवायु-अनुकूल फसलों, जल प्रबंधन और उन्नत कीट नियंत्रण जैसी महत्वपूर्ण चुनौतियों के लिए समाधान अपनाने में बाधा डालती है। बजट में आरएंडडी आवंटन को दोगुना करना चाहिए, आईसीएआर और एसएयू जैसे संस्थानों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) से प्राप्त बेहतर कर लाभों के माध्यम से निजी क्षेत्र के निवेश को प्रोत्साहित करना चाहिए। ये पहल शिक्षाविदों, उद्योग और किसानों के बीच मजबूत सहयोग पर आधारित इको-सिस्टम का निर्माण करेगी, जिससे ऐसी सफलताएं सुनिश्चित होंगी और कृषि उत्पादकता के साथ-साथ स्थायित्व को बढ़ावा मिल सकता है।

फसल की कटाई के बाद के नुकसान को कम करने हेतु इन्फ्रास्ट्रक्चर की कमी दूर करना - भारत में फसल की कटाई के बाद का नुकसान सालाना 10-20 प्रतिशत तक होता है, जो भंडारण, रसद और वितरण संबंधी अक्षमताओं को चिन्हित करता है। कृषि इन्फ्रास्ट्रक्चर कोष के अंतर्गत आवंटन के बावजूद, ये अंतर अपनी जगह कायम हैं। इस बजट में ग्रामीण क्षेत्रों में भंडारण सुविधा, कोल्ड चेन और डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार करने के कार्य को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, ताकि बर्बादी को कम किया जा सके और किसानों का बाजार से संपर्क बढ़ाया जा सके। इसके अलावा, बढ़ते खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र और बढ़ती प्रति व्यक्ति आय भारत में प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की मांग को बढ़ाती है। इसके लिए एक मजबूत आपूर्ति श्रृंखला की आवश्यकता होती है। मशरूम की खेती और मधुमक्खी पालन जैसी वैकल्पिक कृषि गतिविधियों में निवेश करने से अतिरिक्त ग्रामीण रोजगार पैदा हो सकते हैं। सूक्ष्म सिंचाई पहलों का विस्तार करने से उत्पादकता में और भी अधिक वृद्धि होने के साथ ही पानी की कमी दूर की जा सकेगी।

जलवायु अनुकूलन : कृषि नीति का एक नया स्तंभ - अप्रत्याशित मौसम, बेमौसम बारिश और मिट्टी के क्षरण के कारण जलवायु परिवर्तन भारतीय कृषि के लिए जोखिम उत्पन्न करता है। फसल विविधीकरण और प्राकृतिक तथा जैविक खेती सहित टिकाऊ प्रणालियों के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता आवश्यक है। जल की कमी वाले क्षेत्रों को कवर करने के लिए प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना का विस्तार करना और सौर ऊर्जा से सिंचाई के लिए सब्सिडी प्रदान करना जलवायु के प्रतिकूल प्रभाव को कम करने में मदद कर

जालंधर ब्रीज

नवीन पी सिंह
(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के कृषि लागत और मूल्य आयोग के आधिकारिक सदस्य हैं, आलेख में व्यक्त किए गए विचार विशुद्ध रूप से उनके निजी हैं।)

सकता है। तिलहन और दलहन उत्पादन बढ़ाने के लिए लक्षित मिशन-मोड कार्यक्रम जलवायु से जुड़ी चुनौतियों से निपट सकते हैं, साथ ही आयात पर निर्भरता कम कर आत्मनिर्भरता बढ़ा सकते हैं।

फसल विविधीकरण : किसानों की आर्थिक मजबूती का माध्यम - पशुधन, मत्स्य पालन और बागवानी जैसे संबद्ध क्षेत्रों में आय स्रोतों में विविधता लाना किसानों की फसल आय पर निर्भरता को कम करने के लिए आवश्यक है। पशुधन कृषि सकल घरेलू उत्पाद का 28 प्रतिशत है, और मत्स्य पालन को पशुपालन इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास निधि और पीएमएमएसवाई जैसी लक्षित योजनाओं के माध्यम से अधिक धन की आवश्यकता है। इसी तरह, बागवानी इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश, जैसे कि फ्रीजिंग, भंडारण और प्रसंस्करण से जुड़ी सुविधाएं, इस क्षेत्र की निर्यात क्षमता को बढ़ा सकती हैं। बजट में इन क्षेत्रों को एक ऐसी समेकित कृषि प्रणाली में एकीकृत किया जाना चाहिए, जो किसानों को अधिकतम लाभ प्रदान करे।

डिजिटल कृषि : खेती की परंपराओं में सुधार = कृषि क्षेत्र में डिजिटल क्रिया-कलाप शामिल होने से निर्णय प्रक्रिया और दक्षता में क्रांतिकारी परिवर्तन हो सकता है। पारदर्शिता और बाजार की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए ई-एनएएम जैसे प्लेटफॉर्म का विस्तार करके इसमें सभी मंडियों को शामिल किया जाना चाहिए। आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, फसल बीमा और मृदा स्वास्थ्य निगरानी में एआई और ब्लॉकचेन जैसी उन्नत तकनीकों को एक साथ जोड़ने से दक्षता और जोखिम प्रबंधन में काफी सुधार हो सकता है। 10,000 कृषक उत्पादक संगठनों (एफपीओ) की स्थापना के लिए मजबूत वित्तीय और तकनीकी सहायता की आवश्यकता है, ताकि सामूहिक सौदेबाजी और बाजार पहुंच में वृद्धि के माध्यम से लघु एवं सीमांत किसानों को सशक्त बनाया जा सके।

डिजिटल इकोसिस्टम के साथ स्पॉट और वायदा बाजारों को जोड़ना - केंद्रीय बजट में मजबूत डिजिटल इकोसिस्टम और डेटा-संचालित संरचना विकसित करके स्पॉट और वायदा बाजारों को एक साथ जोड़ने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। ई-एनएएम जैसे डिजिटल स्पॉट बाजारों का विस्तार करके इसमें सभी मंडियों को शामिल करना और उन्हें इलेक्ट्रॉनिक वेयरहाउस रिसीट (ई-डब्ल्यूआर) से जोड़ना किसानों को उनकी फसल की कुल उपज का मुद्रीकरण करने, संकट की स्थिति में बिक्री को कम करने और वैश्विक व्यापार मानकों का अनुपालन करने में सक्षम बना सकता है। वस्तुओं के लिए एक केंद्रीकृत डेटा भंडार, वेयरहाउसिंग सिस्टम, ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म और सरकारी एजेंसियों से इनपुट को समेकित करके, वायदा बाजारों में सटीक मूल्य का पता लगाने और जागरूक निर्णय लेने की सुविधा प्रदान कर सकता है। इसके अलावा, स्पॉट और वायदा बाजारों के विकास को सुसंगत बनाने के लिए लगातार नीतिगत समर्थन आवश्यक है। इस पूरी प्रक्रिया में यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि वे इनके बीच तालमेल बिठाते हुए कार्य करें। यह दृष्टिकोण पारदर्शिता को बढ़ावा देगा, मूल्य का पता लगाने की संभावना बढ़ाएगा और एक कृषि बाजार के एक मजबूत इको-सिसस्टम का निर्माण करेगा, जो वैश्विक बाजारों में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देते हुए सभी हितधारकों को सशक्त बनाएगा।

लघु और सीमांत किसानों की ऋण तक पहुंच बढ़ाना - संस्थागत ऋण तक पहुंच छोटे और सीमांत किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती बनी हुई है, जिसमें किरायेदार किसान भी शामिल हैं, जिनकी संख्या भारत के शहरीकरण के साथ बढ़ रही है। ये किसान अक्सर अनौपचारिक ऋणदाताओं से उच्च ब्याज दर पर कर्ज लेते हैं। छोटे और पट्टे पर खेती करने वाले किसानों पर ध्यान केंद्रित करते हुए कृषि ऋण लक्ष्य को 20 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर 25 लाख करोड़ रुपये करना आवश्यक है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के तहत प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने से फसल बीमा अपनाने को बढ़ावा मिल सकता है। एक मजबूत ऋण और बीमा संरचना किसानों की सुरक्षा कर सकता है, उनकी वित्तीय कमजोरियां कम कर सकता है और लाभदायक निवेश को प्रोत्साहित कर सकता है।

महिला सशक्तीकरण : भारतीय कृषि का आधार - भारत के कृषि कार्यबल में 50 प्रतिशत से अधिक महिलाएं हैं। उन्हें संसाधनों तक पहुंचने और निर्णय लेने वाले प्लेटफार्मों में भाग लेने के लिए प्रणालीगत बाधाओं का सामना करना पड़ता है। वे लगभग 33 प्रतिशत कृषि भूमि मालिकों का प्रतिनिधित्व करती हैं, किंतु उनके पास अक्सर आय और परिसंपत्तियों पर नियंत्रण नहीं होता है। ऐसे में यह बात महत्वपूर्ण है कि उन्हें कौशल विकास, भूमि स्वामित्व अधिकार और संस्थागत ऋण तक पहुंच को बढ़ावा देने हेतु महिला-पुरुष आधारित विशिष्ट कार्यक्रम तैयार किए जाएं। बजट में महिला किसानों को सशक्त बनाने की पहल को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण समृद्धि सुनिश्चित करने में उनकी आवश्यक भूमिका को स्वीकार करना चाहिए।

भारत को कृषि व्यापार में वैश्विक अग्रणी बनाना - भारत के कृषि निर्यात में वृद्धि की अपार संभावना है, जिसका मूल्य 2023-24 के लिए 50 बिलियन डॉलर है। निर्यात इन्फ्रास्ट्रक्चर और रसद को बढ़ाने के लिए 10,000 करोड़ रुपये का कोष स्थापित करने से वैश्विक प्रतिस्पर्धा में सुधार होगा। जैविक और मूल्यवर्धित उत्पादों में निवेश उच्च मूल्य वाले अंतरराष्ट्रीय बाजारों को लक्षित कर सकता है। रणनीतिक व्यापार साझेदारी और द्विपक्षीय समझौतों में गैर-टैरिफ बाधाओं को कम करने और भारतीय निर्यात को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाने पर जोर दिया जाना चाहिए। किसान प्रतिनिधियों और व्यापार विशेषज्ञों से युक्त एक वैधानिक निकाय व्यापक निर्णय प्रक्रिया सुनिश्चित कर सकता है, जो वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ाते हुए देश के किसानों के हितों की रक्षा करे।

संक्षेप में, केंद्रीय बजट वित्त वर्ष 2025-26 भारतीय कृषि के भविष्य की फिर से कल्पना करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। मौजूदा चुनौतियों का समाधान करके तथा अनुसंधान और विकास को प्राथमिकता देने, इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार करने, जलवायु के प्रति अनुकूलन को बढ़ावा देने और फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने जैसी रणनीतिक पहलों को लागू करके, सरकार कृषि को वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी उद्योग के रूप में आगे बढ़ा सकती है। इसके अतिरिक्त, डिजिटल प्रगति के माध्यम से किसानों को सशक्त बनाना और ऋण तक समान पहुंच सुनिश्चित करना अर्थव्यवस्था के आधार को मजबूत करेगा और लाखों लोगों के लिए स्थायी आजीविका प्रदान करेगा। जीएसटी परिषद की तर्ज पर कृषि विकास परिषद (एडीसी) की स्थापना वर्तमान समय की मांग है। इनके परिणामस्वरूप भारतीय कृषि विकास और नवाचार का एक शक्तिशाली प्रतीक बनकर दूसरों के लिए एक बेंचमार्क स्थापित कर सकती है।

देश में शहरों का भू-रिकॉर्ड

मनुस्मृति में राजाओं द्वारा भू-राजस्व संग्रह के उल्लेख से लेकर शेरशाह और मुगल काल में राजा टोडरमलन द्वारा विकसित भू-अभिलेख प्रणाली, ब्रिटिश काल के दौरान विकसित भूमाप प्रणाली और स्वतंत्रता के बाद विकसित भू-अभिलेख व्यवस्था के बाद से भारत ने ग्रामीण क्षेत्रों में अब पूर्णतया डिजिटल भू-रिकॉर्ड और मानचित्रण तक पहुंचने की लंबी यात्रा तय कर ली है।

गुजरात, महाराष्ट्र और तमिलनाडु तथा कुछ अन्य शहरों को छोड़कर भारत में शहरी भू-अभिलेख नहीं रखे जाते। अधिकांश रूप से उप पंजीयक कार्यालय में पंजीकृत संपत्ति का खरीद-बिक्री का ब्यौरा ही शहरी भू-अभिलेख का एकमात्र साधन है। पंजीकरण अधिनियम, 1908 के तहत कार्य करने वाले उप रजिस्ट्रार विक्रेता की जानकारी रखने के कुछ उचित उपाय करते हैं, लेकिन उन्हें उन सभी दस्तावेजों को पंजीकृत करना चाहिए जो उनके सामने प्रस्तुत किए जाते हैं। सरकारी भू-अभिलेखों के अभाव में शहरी भूमि संपत्ति के मामलों में धोखाधड़ी और विवाद की आशंका बनी रहती है।

मनोज जोशी
(ग्रामीण विकास मंत्रालय के भूमि संसाधन विभाग के सचिव हैं)

भारत में तेजी से शहरीकरण की ओर बढ़ रहे महानगरीय बस्तियों के आस-पास के गैर-शहरी इलाके (पेरी-अर्बन) में निजी डेवलपर्स कृषि भूमि को लेकर उन्हेंन कॉलोनियों में बदल रहे हैं। इन कॉलोनियों को स्थानीय अधिकारियों द्वारा योजनाबद्ध अनुमोदन के साथ या उसके बिना ही विकसित किया जा रहा है। अनधिकृत कॉलोनियों में एक ही प्लॉट की कई बार बिक्री के बहुत सारे मामले सामने आ रहे हैं। सरकारी भूमि अभिलेखों के ना रहने से महंगी शहरी भूमि के मामले में अनिश्चितता, जोखिम, क्रेताओं को अनावश्यबक परेशानी और मुकदमेबाजी होती है।

ड्रोन आधारित हवाई इमेजरी- सिटी सर्वे : कंप्यूआटरकृत भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) से ड्रोन/विमान के माध्यम से 5 सेमी की सटीकता से अब भू-मानचित्र 2 लाख रुपये प्रति किमी 2 की उचित लागत पर 2-4 महीने की अवधि में तैयार किया जा सकता है। सरकारी अधिकारियों को ऐसे मानचित्रों का जमीनी सत्यापन करने और स्वामित्व दस्तावेजों को सत्यापित करने की आवश्यकता है। नगरपालिका संपत्ति कर डेटा स्वामित्व पर प्रारंभिक जानकारी प्रदान करता है। व्यक्तिगत भूखंड और मालिकाना विवरण के साथ विस्तृत नक्शे प्रकाशित करने के उपरांत, सार्वजनिक आपत्तियां आमंत्रित की जाती हैं। शहर के सर्वेक्षण का कठिन हिस्सा जमीनी स्ततर पर इनकी पहचान करना और स्वामित्व दस्तावेजों को प्रमाणित करना है। जमीनी सत्यापन के लिए बड़ी संख्या में टीमों को शामिल करने की आवश्यनकता पड़ती है जिनमें सर्वेक्षक और सरकारी अधिकारी होते हैं। भौगोलिक सूचना प्रणाली आधारित नगर सर्वेक्षण में भी वास्तविक कब्जे वाली भूमि और अधिकार दस्तावेज के बीच अंतर पाया गया है। जीआईएस आधारित मापों की उच्च स्तरीय सटीकता में 5 प्रतिशत तक अंतर होता है। नए रिकॉर्ड में उनके कब्जेऔ में कम भूमि दिखने के कारण भू-मालिक आपत्ति दर्ज करते हैं। इसके अतिरिक्तए कई मामलों में भू-स्वावमित्वर स्पष्ट नहीं होता या इस पर विवाद रहता है।

शहरी भू-सर्वेक्षण में बड़ी जनशक्ति लगती है और भूमि स्वाममित्वस संबंधी आपत्तियों के सावधानीपूर्वक निपटान की आवश्यकता पड़ती है। राज्य सरकार की ओर से इसके लिए व्यापक राजनीतिक और प्रशासनिक प्रतिबद्धता की आवश्यकता है। भारत सरकार के भूमि संसाधन विभाग (डीओएलआर) ने एक वर्ष में सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 152 शहरों में नक्शा (एनएकेएसएचए) नामक शहर सर्वेक्षण पायलट कार्यक्रम आरंभ किया है। इसके बाद अगले चरण में 1000 शहरों में यह सर्वेक्षण किया जाएगा और 5 वर्षों में सभी 4912 शहरों में यह योजना चलाई जाएगी।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के 10 साल पूरे : विकसित भारत के लिए महिला नेतृत्व वाले विकास को आगे बढ़ाने का सफर जारी

जैसे-जैसे भारत 2047 तक विकसित भारत बनने के अपनी मंज़िल की तरफ आत्मविश्वास से आगे बढ़ रहा है, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना का परिवर्तनकारी प्रभाव इस बात का प्रमाण है, कि हम महिलाओं के विकास से महिला-नेतृत्व में विकासतक के सफर में कितने आगे आ गए हैं। स्वामी विवेकानन्द ने एक बार कहा था, "जब तक महिलाओं की स्थिति में सुधार नहीं होता, तब तक विश्व के कल्याण की कोई संभावना नहीं है। किसी भी पंछी के लिए महज़ एक पंख के साथ उड़ना संभव नहीं है।" उनके इस कालजयी दृष्टिकोण से प्रेरित होकर, माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 22 जनवरी 2015 को हरियाणा के पानीपत में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ (बीबीबीपी) योजना की शुरूआत की। इस ऐतिहासिक पहल का मकसद भारत में गिरते बाल लिंग अनुपात (सीएसआर) पर ध्यान देना और यह सुनिश्चित करना था कि देश भर में लड़कियों और महिलाओं को वे सभी अवसर, देखभाल और सम्मान मिलें, जिनकी वे हकदार हैं।

अन्नपूर्णा देवी

2011 की जनगणना में बाल लिंग अनुपात 918 होने के साथ सामाजिक पूर्वाग्रहों और नैदानिक उपकरणों के दुरुपयोग की चिंताजनक तस्वीर सामने आई। एक लक्ष्य के साथ तथा जीवन-चक्र-केंद्रित कदमों के ज़रिए, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ को न केवल इस तस्वीर को बदलने के लिए लॉन्च किया गया था, बल्कि एक ऐसे भविष्य की नींव भी रखी गई, जहां महिलाएं नेतृत्व करें और आगे बढ़ें।

पिछले एक दशक में, इस योजना ने महत्वपूर्ण प्रगति की है। स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली के अनुसार, 2014-15 में जन्म के समय राष्ट्रीय लिंग अनुपात 918 से बढ़कर 2023-24 में 930 हो गया है। संस्थागत प्रसव के मामले भी 2014-15 में 61% से बढ़कर 2023-24 में 97.3% हो गए हैं, जबकि पहली तिमाही में प्रसवपूर्व देखभाल पंजीकरण 61% से बढ़कर 80.5% हो गया है। माध्यमिक स्तर पर लड़कियों का सकल नामांकन अनुपात 2014-15 में 75.51% से बढ़कर 2021-22 में 79.4% हो गया। इसके अलावा, पुरुष और स्त्री नवजात शिशुओं के बीच शिशु मृत्यु दर में अंतर तकरीबन खत्म हो गया है, जो उत्तरजीविता और देखभाल में समानता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हमारे माननीय प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ आंदोलन, आंकड़ों में सुधार की सीमा से कहीं आगे निकल गया है।इसने महिला सशक्तिकरण के मायने ही बदलकर रख दिए हैं। अक्टूबर 2023 में 150 महिला बाइकर्स द्वारा 10,000 किलोमीटर की यात्रा, यशस्विनी बाइक अभियान जैसी पहल, भारत की बेटियों के अदम्य साहस का प्रतीक है। 2022 में कन्या शिक्षा प्रवेश उत्सव ने, स्कूल न जाने वाली करीब 1,00,786 लड़कियों को फिर से स्कूल जाने के लिए प्रेरित किया, जो जीवन को बदलने में शिक्षा की शक्ति का प्रदर्शन है। कौशल विकास पर आधारित राष्ट्रीय सम्मेलन ने, कार्यबल में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी के महत्व पर जोर दिया, जिससे हम महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के अपने दृष्टिकोण के और करीब आ पाए।

आज, जब हम इस परिवर्तनकारी पहल के दस साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं, साफ है कि मिशन अभी ख़त्म नहीं हुआ है। हमें अगर विकसित भारत के अपने सपने को हासिल करना है, तो यह तय करना जरूरी है कि लड़कियां और महिलाएं हमारे राष्ट्र-निर्माण प्रयासों के केंद्र में रहें। भारत तब तक विकसित नहीं हो सकता, जब तक इस देश की लड़कियाँ और महिलाएँ अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करने के काबिल नहीं हो जातीं। यह हमारे लिए निर्णायक कार्रवाई करने का वक्त है। हमें गर्भधारण पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक (पीसीपीएनडीटी) अधिनियम 1994 के कार्यान्वयन को मजबूत करना चाहिए, शिक्षा में ड्रॉपआउट दर को संबोधित करना चाहिए, कौशल विकास कार्यक्रमों का विस्तार करना चाहिए और लड़कियों के जीवन के हर चरण में ज़रुरी मदद देनी चाहिए।

वित्तीय वर्ष 2023-2024 के लिए, भारत में महिला श्रम बल की भागीदारी 41.7% थी। हालाँकि यह पिछले वर्षों की तुलना में एक महत्वपूर्ण वृद्धि है, लेकिन फिर भी यह पुरुषों की श्रम शक्ति भागीदारी के मुकाबले कम है। ग़ौर करने की बात यह भी है कि शहरी क्षेत्रों में महिला श्रम बल की भागीदारी, देश के ग्रामीण क्षेत्रों में महिला श्रम बल की भागीदारी से कम है।

पश्चिमी कमान ने भारतीय सेना में महिला अधिकारियों की उभरती भूमिका पर सेमिनार आयोजित किया

जालंधर ब्रीज (जालंधर) . पश्चिमी कमान ने चंडीमंदिर सैन्य स्टेशन में 'भारतीय सेना में महिला अधिकारियों की उभरती भूमिका और योगदान' पर सेमिनार आयोजित किया, जिसकी अध्यक्षता सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार,जीओसी-इन-सी पश्चिमी कमान ने की।

सेमिनार में महिला अधिकारियों को सेना में आने वाली चुनौतियों, जिसमें कार्य-जीवन संतुलन, कैरियर की प्रगति और नेतृत्व शैली जैसे विषयों पर चर्चा करने के लिए एक मंच प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में मेंटरशिप कार्यक्रमों को बढ़ाने, तैनाती नीतियों की समीक्षा करने और महिला अधिकारियों और सैनिकों की सहायता के लिए बुनियादी ढांचे में निवेश करने के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया।

लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने नेतृत्व प्रशिक्षण, लैंगिक संवेदनशीलता कार्यशालाओं और महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने के उद्देश्य से भर्ती अभियान जैसी पहलों का हवाला देते हुए लैंगिक समावेशिता के लिए भारतीय सेना की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। सेना कमांडर ने अपनी कमान को संवारने और आकांक्षाओं और कार्यों के बीच संतुलन बनाए रखने में कमांडिंग अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कमान में महिला अधिकारियों की जज़्बे और उत्साह पर संतोष व्यक्त किया, जो अपने पुरुष समकक्षों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करती हैं। सेमिनार का समापन लेफ्टिनेंट जनरल कटियार ने भारतीय सेना को एक बेहतर संगठन बनाने के लिए महिला अधिकारियों को शारीरिक रूप से मजबूत, मानसिक रूप से सतर्क और साफ नैतिकता होने के महत्व पर जोर देने के साथ हुआ।

भारतीय सहकारी समितियाँ : नई आशा की किरण

सहकारिता रूपी नदी धाराप्रवाह बहती जा रही है। यह किसी बंधन से नहीं बांधी जा सकती है। यह जहां भी जाती है, विकास के छोटे से लेकर बड़े बीज बोती जाती है और आर्थिक समर्थन का आधार पैदा करती है। वास्तव में, इसके शाब्दिक अर्थ से कहीं अधिक, सहकारिता सामाजिक और आर्थिक उत्थान का द्योतक है। हम सभी किसी न किसी तरह सहकारिता से जुड़े हुए हैं, और इसकी यात्रा में निरंतर सहयोग कर रहे हैं।

भारत की सहकारी परंपरा प्राचीन है, जिसकी जड़ें इसकी संस्कृति और आर्थिक प्रणालियों में गहरी पैठ रखे हुए है। चाणक्य के अर्थशास्त्र के अनुसार, गाँवों की वित्तीय संरचना सहकारी ढांचे, रोजगार प्रदान करने, परिवारों का समर्थन करने और सामाजिक विकास में योगदान करने को दर्शाती हैं। हमारे स्वतंत्रता संग्राम में भी सहकारिता की भावना की प्रमुख भूमिका थी। रियासतों को एकजुट करने के लिए सरदार वल्लभभाई पटेल के दूरदर्शी प्रयासों और महात्मा गांधी के 'भारत छोड़ो' आंदोलन ने सामाजिक सहयोग का प्रदर्शन किया। इस प्रकार, यह विश्वासपूर्वक कहा जा सकता है कि सहकारिता हमारे राष्ट्र के लोकाचार में शुरू से ही शामिल रही है।

सहकारी मॉडल की परिवर्तनकारी क्षमता पहचानते हुए भारत सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के गतिशील नेतृत्व में सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की, जो आधुनिक भारत में एक ऐतिहासिक कदम है। यह पहल समावेशी विकास और समृद्धि के लिए मोदी जी की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, जो एक अनुभवी सहकारी नेता हैं, ने इस क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तनों का नेतृत्व करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की दूरदर्शी नीतियों और मार्गदर्शन में भारत के सहकारी आंदोलन को एक नई दिशा मिली है, जिसमें "सहकार से समृद्धि" के सूत्र वाक्य पर जोर है। अमित शाह के मार्गदर्शन में सहकारी क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास हो रहा है और वैश्विक स्तर पर यह क्षेत्र तेजी से मान्यता प्राप्त कर रहा है।

लगभग 132 साल पहले स्थापित अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन ने नवंबर 2024 में 107 से अधिक देशों के साथ भारत में अपनी पहली बैठक की। भारत के सहकारी इकोसिस्टम की बढ़ती ताकत को देखना सभी भारतीयों के लिए गर्व का पल था। नई दिल्ली में इफको द्वारा आयोजित आई. सी. ए. वैश्विक सम्मेलन की सफल

जालंधर ब्रीज

दिलीप संघानी
(अध्यक्ष- एनसीयूआई, इफको और गुजकोमासोल, पूर्व सहकारिता मंत्री, गुजरात)

मेजबानी से भारत ने सहकारी आंदोलन के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

आई. सी. ए. अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने किया, जिसमें भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे, फिजी के उप-प्रधानमंत्री मनोआ कामिकामिका, आई. सी. ए. के अध्यक्ष एरियल ग्वार्को और 107 देशों के 1,500 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान, संयुक्त राष्ट्र ने सहकारिता क्षेत्र के वैश्विक प्रभाव को मान्यता देते हुए वर्ष 2025 को "अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष" घोषित किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रेरक दृष्टि और रणनीतिक नेतृत्व ने भारत के सहकारी आंदोलन को वैश्विक महत्व दिया है। जमीनी स्तर पर सशक्तिकरण पर उनके जोर के साथ-साथ अमित शाह जी की सहकारी मॉडल की गहरी समझ ने इस क्षेत्र को दुनिया के लिए आशा की नई किरण के तौर पर पेश किया है। इस सम्मेलन की सफलता उनके अनुकरणीय नेतृत्व और वैश्विक मंच पर भारत के बढ़ते कद का प्रमाण है।

कई अंतर्राष्ट्रीय सहकारी नेताओं ने भारत के सहकारी आंदोलन के बारे में जानने और भारत में प्रमुख सहकारी संगठनों के साथ साझेदारी की खोज करने में गहरी रुचि व्यक्त की। इस अनुभव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 'वसुधैव कुटुम्बकम' (दुनिया एक परिवार है) के दृष्टिकोण की भावना को मजबूत किया, जो हमारे राष्ट्र के मूल्यों और परंपराओं से मेल खाती है।

भारत की डेयरी सहकारी समितियां 'वसुधैव कुटुम्बकम' के दृष्टिकोण और सहकारिता की सफलता को आगे बढाने के लिए मजबूती से खड़ी हैं। अमूल डेयरी कोऑपरेटिव की स्वप्निल यात्रा विस्मय पैदा करने वाली है। एक छोटे स्तर पर शुरू करके यह दुनिया की सबसे बड़ी डेयरी सहकारी समितियों में से एक बन गई है। इसके अलावा, "आणंद पैटर्न" पर आधारित अमूल की सफलता, जिसमें किसान ही सह-स्वामी होने के साथ-साथ आपूर्तिकर्ता भी है, ने आय और लाभ का उचित वितरण सुनिश्चित किया है। निर्णय लेने में किसानों की प्रत्यक्ष भागीदारी से और भी बेहतर प्रबंधन हुआ है। इसकी सफलता आर्थिक विकास से परे है, और महिला सशक्तिकरण के लिए एक मंच प्रदान करती है जो इसे देश और दुनिया भर की अन्य कृषि और डेयरी सहकारी समितियों के लिए एक आदर्श खाका बनाती है। इस क्षेत्र के लिए काम करने से सहकारिता के आदर्शों के प्रति मेरी प्रतिबद्धता की पुष्टि हुई है। मैंने 30 साल पहले 1995 में 'वसुंधरा-अमरेली' नामक संगठन की स्थापना की थी। यह संगठन वसुधैव कुटुम्बकम' के सिद्धांत को बढ़ावा देने के महान लक्ष्य से प्रेरित है। इसका उद्देश्य सभी जीवित प्राणियों के बीच प्रेम और एकता को बढ़ावा देना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी और केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के दूरदर्शी नेतृत्व से सशक्त भारत का सहकारी ढांचा विकास के लिए एक प्रेरक मॉडल के रूप में उभरा है। "सहकार से समृद्धि" के दृष्टिकोण को न केवल भारत बल्कि विश्व स्तर पर स्वीकृति मिल रही है। आई. सी. ए. वैश्विक सम्मेलन ने सहकारी नीतियों को और मजबूत करने, उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण, नेतृत्व को बढ़ावा देने, समानता सुनिश्चित करने और सहकारिता के माध्यम से न्याय को आगे बढ़ाने के लिए आधार तैयार किया है।

आज की दुनिया में एक शांतिपूर्ण क्रांति केवल सहकारी ढांचे के माध्यम से ही संभव है। दुनिया में असमानता के बढ़ते विभाजन को केवल सहकारी उपायों के माध्यम से ही कम किया जा सकता है। युवाओं और समाज के अन्य वर्गों के बीच अलगाव की बढ़ती भावना को सहकारी समितियों के बंधन से ही कम किया जा सकता है। साझा भविष्य के लिए यह अनिवार्य है कि सहकारी आंदोलन केंद्र में रहें और न्यायसंगत आर्थिक और सामाजिक विकास करें।

सीआईए स्टाफ कपूरथला द्वारा डकैती गैंग का भंडाफोड़, लूट के 3.85 लाख रुपये के साथ एक गिरफ्तार

• **जालंधर ब्रीज.** कपूरथला

चार लाख कैश लूट मामले में बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए सीआईए स्टाफ कपूरथला ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है जिस की पहचान संतोख सिंह उर्फ कुक्कू निवासी रईया के तौर पर हुई है। पुलिस ने चार लाख में से 3.85 लाख रुपए बरामद कर लिए हैं। एसएसपी कपूरथला गौरव तूरा ने बताया कि गुरमीत सिंह उर्फे गीता पुत्र महिंदर सिंह निवासी अमृतसर ने पुलिस स्टेशन ढिलवां में 26 जनवरी को लूट से संबंधित एफआईआर दर्ज करवाई थी जिसके बाद की गई कार्रवाई में पुलिस ने गुरुवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। सर्बजीत राय (पीपीएस) पुलिस सुपरडेंट (इन्वेस्टीगेशन), कपूरथला और परमिंदर सिंह (पीपीएस), पुलिस उपाधीक्षक (डिटेक्टिव), कपूरथला की देखरेख में निरीक्षक जरनैल सिंह, सीआईए स्टाफ के प्रभारी द्वारा मामले का पता लगाने के लिए जांच टीम का नेतृत्व किया गया। पुलिस ने सफलतापूर्वक मामले का पता लगाया और संतोख सिंह उर्फ कुक्कू पुत्र मनजीत सिंह निवासी लोहगढ़ गिरफ्तार कर 3.85 लाख रुपये बरामद किए। उधर, पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में आरोपी संतोख सिंह उर्फ कुक्कू ने बताया कि शिकायतकर्ता गुरमीत सिंह उर्फ गीता ने खुद ही फर्जी डकैती का नाटक रचा और पुलिस को गुमराह किया है। वास्तव में कोई डकैती नहीं हुई थी। गिरफ्तार आरोपी संतोख सिंह उर्फ कुक्कू से गहन पूछताछ की जा रही है।

जालंधर कमिश्नरेट पुलिस द्वारा अवैध हथियारों सहित एक गिरफ्तार

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

पुलिस कमिश्नर स्वप्न शर्मा के नेतृत्व में जालंधर कमिश्नरेट पुलिस ने एक व्यक्ति को अवैध हथियारों सहित काबू किया है। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि तरनवीर सिंह उर्फ तनू पुत्र तजिंदर सिंह वासी कोट सिद्दीकी, जालंधर ने चिल्डर्न पार्क के नजदीक फायरिंग की है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मुस्तैदी के साथ कार्रवाई करते हुए जाल बिछाकर दोषी को काबू कर लिया है। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि तलाशी लेने पर पुलिस ने 32 बोर के अवैध पिस्तौल समेत पांच रौंद व एक राउंड बरामद किया है। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि एफआईआर नंबर 4 तिथि 27.01.20025 थाना डिवीजन नंबर 05, जालंधर में असलाह एक्ट की धाराओं 25(1)(बी), 54 व 59 के तहत दर्ज किया गया था। स्वप्न शर्मा ने बताया कि आरोपी पर पुलिस पहले ही तीन केस दर्ज कर चुकी है। उन्होंने कहा कि मामले की अगली जांच की जा रही है।

14 पेटियां अवैध शराब समेत शराब तस्कर काबू

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

पुलिस कमिश्नर स्वप्न शर्मा के नेतृत्व में जालंधर कमिश्नरेट पुलिस ने शहर में एक नशा तस्कर को 14 पेटियां अवैध शराब समेत काबू किया है।

जानकारी देते हुए पुलिस कमिश्नर ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि सूरज चंद्र पुत्र सुभाष चंद्र निवासी न्यू दशमेश नगर, जालंधर, नेहर पुली कोट सिद्दीक के आस-पास अवैध शराब बेचता है। उन्होंने बताया कि सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी को सफेद रंग की होंडा अमेज कार समेत काबू कर लिया। स्वप्न शर्मा ने बताया कि पुलिस ने वाहन की तलाशी के दौरान अलग-अलग लेबल की अवैध शराब की कुल 14 पेटियां बरामद की हैं। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध एफआईआर नंबर दो तिथि 26 जनवरी को आबकारी एक्ट की धारा 61-1-14 के तहत थाना डिवीजन नंबर 2, जालधर में दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि मामले की अगली जांच की जा रही है।

पंजीकृत कार से नकदी व शराब जब्त होने पर बाजवा ने की चुनाव आयोग से कार्रवाई की मांग

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

दिल्ली पुलिस द्वारा पंजाब सरकार के स्टीकर वाली पंजाब में पंजीकृत एक कार से आठ लाख रुपये नकद, शराब की बोतलें और आम आदमी पार्टी (आप) के पर्चे जब्त किए जाने के बाद पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने गुरुवार को आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार पर चुनावी राज्य दिल्ली में मतदाताओं को पैसे और शराब का लालच देने का प्रयास करने का आरोप लगाया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बाजवा ने चुनाव आयोग से लोकतांत्रिक प्रक्रिया की अखंडता को बहाल करने के लिए इस पर गंभीरता से ध्यान देने का आग्रह किया। बाजवा ने कहा, "लोकतांत्रिक मूल्यों और सिद्धांतों का ध्वजवाहक होने का दावा करने वाली आम आदमी पार्टी अब इतने निचले स्तर पर पहुंच गई है कि वह चुनाव जीतने के लिए कुछ भी कर सकती है।

राज्य में चुनाव प्रक्रियाओं का उल्लंघन करने के लिए पंजाब में आप सरकार पर बरसते हुए बाजवा ने कहा कि अमृतसर में हाल ही में हुए महापौर चुनावों में, आप सरकार ने अलोकतांत्रिक तरीके से महापौर पद के लिए अपने उम्मीदवार का चुनाव करने के लिए सरकारी मशीनरी और नौकरशाही का दुरुपयोग किया। इसी तरह, पंचायत

चुनावों और विधानसभा उपचुनावों में, आप ने बाहुबल का सहारा लिया और पुलिस और प्रशासनिक मशीनरी का दुरुपयोग किया। उन्होंने कहा, 'यह पहले ही साबित हो चुका है कि तथाकथित कट्टर ईमानदार पार्टी वास्तव में इतनी ईमानदार नहीं है. वह मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए कोई भी हथकंडा अपनाने से पीछे नहीं हटती।

उधर, ट्रांसपोर्ट विभाग पंजाब ने कहा कि उनके ध्यान में आया है कि दिल्ली में रजिस्टर्ड नंबर PB35AE1342 की एक गाड़ी को अवैध शराब व कुछ नगदी के साथ पकड़ा गया है। मीडिया रिपोर्ट्स में आरोप लगाया गया है कि गाड़ी पर पंजाब सरकार का स्टीकर लगा हुआ है। हमने अपने रिकार्ड की खोज की और पाया कि ऐसा कोई वाहन पंजाब सरकार की मालकी व किराए पर नहीं है। पकड़ी गई गाड़ी पंजाब सरकार की नहीं है।

भारत के टॉप 50 ईको-कॉन्शियस स्कूलों में शामिल हुआ एपीजे स्कूल

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

एपीजे स्कूल महावीर मार्ग जालंधर के फाउंडर चेयरमैन डॉ. सत्यपाल तथा कर्मनिष्ठ, प्रतिभावान सुषमा पॉल बर्लिया (चेयरपर्सन, एपीजे एजुकेशन, को फाउंडर एंड चांसलर, एपीजे सत्य यूनिवर्सिटी, चेयरपर्सन एंड प्रेसिडेंट, एपीजे सत्य और स्वर्ण ग्रुप, चेयरपर्सन-एपीजे सत्य एजुकेशन रिसर्च फाऊंडेशन) के सकारात्मक व कुशल नेतृत्व में और प्रिंसिपल संगीता निस्तन्द्रा के कुशल निर्देशन में स्कूल को 'जेनरेशन ग्रीन' अभियान के तहत भारत के टॉप 50 ईको-कॉन्शियस स्कूलों में शामिल किया गया है। यह अभियान अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई), शिक्षा मंत्रालय, ओप्पो इंडिया और 1एम1बी के सहयोग से चलाया गया है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के तहत एपीजे स्कूल को एक प्रतीक चिन्ह, प्रशंसा प्रमाणपत्र और सम्मान पत्र प्रदान किया गया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान स्कूल की सततता और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

बलिदान दिवस पर देश के लिए कुर्बान होने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि भेंट

डिप्टी कमिश्नर सहित जिला प्रशासन के अधिकारियों व कर्मचारियों ने स्वतंत्रता सेनानियों की याद में दो मिनट का मौन रखा

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के बलिदान दिवस पर देश के आजादी संग्राम दौरान अपने प्राणों का बलिदान देने वाले शहीदों को आज यहां जिला प्रशासकीय परिसर में डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल के नेतृत्व में जिले के प्रशासनिक अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की गई। गुरुवार सुबह ठीक 11 बजे शहीदों की याद में 2 मिनट का मौन रखा गया। इस मौके पर डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल, अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर(शहरी विकास) जसबीर सिंह और अन्य अधिकारियों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर देश के लिए महान बलिदान देने वाले भारत माता के महान सपूतों को श्रद्धांजलि दी।

बलिदानी वीरों की बदौलत ही हम आजादी की गर्माहट का आनंद ले रहे : डीसी कपूरथला

• **जालंधर ब्रीज.** कपूरथला

डिप्टी कमिश्नर अमित कुमार पांचाल के नेतृत्व में जिला प्रशासन ने आज स्वतंत्रता संग्राम के दौरान अपने प्राणों का बलिदान देने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। जिला प्रशासनिक कॉम्प्लेक्स में आयोजित समारोह के दौरान डिप्टी कमिश्नर व अन्य अधिकारियों ने राष्ट्रपिता के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

इस अवसर पर संबोधन दौरान डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि देश के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीरों की बदौलत ही हम आजादी की गर्माहट का आनंद ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी को देश के विकास, एकता और अखंडता के लिए पूरी दृढ़ता और समर्पण के साथ काम करना चाहिए।

इस अवसर पर पंजाब पुलिस की टुकड़ी ने शहीदों की याद में सलामी दी, जबकि शहीदों की याद में दो मिनट का मौन रखा गया। इस अवसर पर एस.पी. गुरप्रीत सिंह, एसडीएम मेजर इरविन कौर व अन्य उपस्थित थे।

बलिदान दिवस पर दो मिनट का मौन धारण कर शहीदों को किया याद

होशियारपुर (जालंधर ब्रीज). जिला प्रशासकीय कांप्लेक्स में आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के बलिदान दिवस पर देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहूति देने वालों को याद किया गया। इस मौके पर अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर(सामान्य) राहुल चाबा के अलावा अलग-अलग विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों ने महात्मा गांधी जी की तस्वीर को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान पंजाब पुलिस की टुकड़ी की ओर से शस्त्र उल्टे कर श्रद्धांजलि भेंट की गई। इसके बाद सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन धारण कर शहीदों के बलिदान को याद किया।

चंडीगढ़ मेयर चुनाव पर चीमा बोले- भाजपा-कांग्रेस का अनैतिक गठबंधन हुआ

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

चंडीगढ़ में भारतीय जनता पार्टी का मेयर बनने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता और पंजाब सरकार के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि मेयर चुनाव के दौरान कांग्रेस और भाजपा का अनैतिक गठबंधन हुआ है।

चीमा ने कहा कि हमने अपना धर्म निभाया इसलिए हमारे पार्षदों के वोट से कांग्रेस के डिप्टी मेयर और सीनियर डिप्टी मेयर बने। कांग्रेस ने हमें धोखा दिया है। कांग्रेसी पार्षदों ने क्रॉस वोटिंग की जिसके कारण भाजपा का मेयर बना। चीमा ने कहा कि

कांग्रेस और भाजपा दोनों पार्टी अंदरखाते मिली हुई है। वह हमें रोकना चाहते हैं। दोनों पार्टी आम आदमी पार्टी के बढ़ते प्रभाव से डरी हुई है। दिल्ली विधानसभा चुनाव भी वे मिलकर लड़ रहे हैं, लेकिन दिल्ली में इस बार भी भारी बहुमत से आम आदमी पार्टी की सरकार बन रही है।

कांग्रेस की मेहरबानी से भाजपा का मेयर बना, दोनों पार्टियां मिली हुई है : नील गर्ग

चंडीगढ़ में भारतीय जनता पार्टी का मेयर बनने के बाद आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस पर बड़ा आरोप लगाया है। 'आप' पंजाब के वरिष्ठ नेता और प्रवक्ता नील गर्ग ने कहा कि कांग्रेसी पार्षदों ने क्रॉस वोटिंग की जिसके कारण भाजपा का मेयर बना। नील गर्ग ने कहा कि कांग्रेस पार्षदों ने हमें धोखा दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और भाजपा दोनों पार्टी अंदरखाते मिली हुई है। इस घटना से यह पूरी तरह स्पष्ट हो गया है। दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू है। उन्होंने कहा कि जनता को भी कांग्रेस पर भरोसा नहीं करना चाहिए क्योंकि वह वोट कांग्रेस को देगी और उसके पार्षद बाद में भाजपा का समर्थन कर देंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली में भी कांग्रेस ऐसा ही करने वाली है। वहां भी वह भाजपा को समर्थन दे देगी। इसलिए कांग्रेस को वोट करना अपना वोट बर्बाद करना है। उन्होंने कहा कि कि हमारे आम आदमी पार्टी के पार्षदों ने कांग्रेस का साथ दिया। हमारे वोट से उनका डिप्टी मेयर और सीनियर डिप्टी मेयर बना। लेकिन उन्होंने हमें धोखा दिया।

सीएम मान ने 'आप' उम्मीदवारों के लिए किया प्रचार

कहा - कमल कीचड़ में उगता है, हमने 'झाड़' से कीचड़ को साफ किया, इसलिए कमल नहीं खिलेगा

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली/चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने गुरुवार को दिल्ली में आप उम्मीदवारों के लिए प्रचार करते हुए तुगलकाबाद और ग्रेटर कैलाश में विशाल जनसभाओं को संबोधित किया और कालकाजी और कस्तूरबा नगर में बड़ा रोड शो का नेतृत्व किया। सीएम मान ने दिल्ली के लोगों से आगामी चुनावों में संघर्ष, विभाजन और भ्रष्टाचार के बजाय विकास, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा को चुनने का आग्रह किया।

तुगलकाबाद में मान ने कहा कि मतदाताओं को एक महत्वपूर्ण विकल्प चुनना होगा: "एक तरफ, संघर्ष और नफरत को बढ़ावा देने वाली पार्टी हैं; दूसरी ओर,

आम आदमी पार्टी है, जो शिक्षा, स्वास्थ्य और रोज़गार को बढ़ावा दे रही है। एक तरफ आपसे छीन लेता है; हम आपको वापस देते हैं। इस चुनाव में दिल्ली की जनता को अपना और अपने बच्चों का भविष्य तय करना होगा। मान ने अरविंद केजरीवाल के शासन मॉडल की सराहना करते हुए कहा, "10 वर्षों से, केजरीवाल जी ने यह सुनिश्चित किया है कि करदाताओं के पैसे से लोगों को फायदा हो - मुफ्त बिजली, साफ पानी, अच्छे स्कूल - अस्पताल और महिलाओं के लिए मुफ्त बस सेवा।"

कालकाजी में मान ने वादों को पूरा करने में आम आदमी पार्टी के सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड पर प्रकाश डाला और कहा, "हम जो वादा करते हैं उसे पूरा करते हैं, चाहे वह दिल्ली में हो या पंजाब में। पंजाब में 90 प्रतिशत घरों में शून्य बिजली बिल आ रहे हैं। उन्होंने मतदाताओं से दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी को समर्थन देने का आग्रह किया और जन कल्याण के प्रति आम आदमी पार्टी की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

मान ने कहा कि हमने पंजाब में बिना किसी रिश्वत या पक्षपात के 50,000 नौकरियां दीं। वे पूछते हैं कि बीजेपी पंजाब में क्यों नहीं जीत सकती। मैं उनसे कहता हूं कि कमल कीचड़ में उगता है और हमने दिल्ली और पंजाब में 'झाड़ू' से उस गंदगी को साफ कर दिया।

एनसीसी कैडेटों ने 'पंजाब में नशे की समस्या और रोकथाम' पर चर्चा की

जालंधर (जालंधर ब्रीज). लायलपुर खालसा कॉलेज, जालंधर के एनसीसी कैडेटों ने 'पंजाब में नशा समस्या एवं रोकथाम' के महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा में भाग लिया। इस कार्यक्रम में 2 पंजाब एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल विनोद जोशी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए, जिन्होंने इस पहल की सराहना की तथा पंजाब के युवाओं पर नशीली दवाओं के प्रयोग के प्रभावों पर प्रकाश डाला। प्राचार्य डॉ. जसपाल सिंह ने कहा कि यह चर्चा नशे के प्रति जागरूकता पैदा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आज के युग में पंजाब के युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक होने की बहुत आवश्यकता है। उन्होंने नशे की लत से प्रभावित लोगों को सहायता और परामर्श प्रदान करने के महत्व पर भी बल दिया।

आईसीसी टी20 रैंकिंग में पांचवें पायदान पर पहुंचे वरुण, इंग्लैंड के खिलाफ 10 विकेट झटकाए

स्पोर्ट्स डेस्क. आईसीसी ने प्लेयर्स की ताजा रैंकिंग जारी की है। इंग्लैंड के स्पिनर आदिल रशीद को आईसीसी टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में बादशाहत हासिल कर ली है। वह फिर से नंबर-1 बॉलर बन गए हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज के स्पिनर अकील हुसैन को दूसरे पायदान पर खिसका दिया है। आदिल के खाते में फिलहाल 718 रेटिंग अंक हैं। अकील के 707 अंक हैं। आदिल मौजूदा इंडिया वर्सेस इंग्लैंड पांच मैचों की टी20 सीरीज में किफायती गेंदबाजी कर रहे हैं। अभी तक तीन मैचों में उन्होंने 56 रन देकर तीन विकेट अपने नाम किए हैं। उनका इकॉनमी रेट 5.60 है।

भारत के मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने लंबी छलांग लगाई है। वह 25 पायदान ऊपर चढ़कर पांचवें पर पहुंच गए हैं। उनके 679 अंक हैं। वरुण इंग्लैंड के खिलाफ

फोटो-बीसीसीआई

कातिलाना गेंदबाजी कर रहे हैं। उन्होंने तीन मैचों में सबसे ज्यादा 10 विकेट चटकाए हैं। वरुण ने मंगलवार को राजकोट में तीसरे मैच में पांच विकेट हॉल लिया बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन के कारण भारत को 26 रनों से हार का मुंह देखना पड़ा। भारत सीरीज में 2-1 से आगे है। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर 13 पायदान ऊपर आ गए हैं।

वहीं अभिषेक शर्मा को भी लंबी छलांग लगाई है। वह 59 पायदान ऊपर 40वें स्थान पर चल गए हैं। वह 115 रन बटोर चुके हैं। इंग्लैंड के लियाम लिविंगस्टोन और बेन डकेट पर आगे बढ़े हैं। भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव और विकेटकीपर संजू सैमसन को नुकसान झेलना पड़ा है। सूर्या चौथे स्थान पर कायम हैं लेकिन उनके 25 अंक घट गए हैं। सैमसन 17वें से लुढ़कर 29वें पर पायदान पर चले गए। दोनों खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। सैमसन ने 34 और सूर्या ने 26 रन जोड़े हैं। चौथा टी20 मैच 31 जनवरी को होगा।

मुख्य सचिव ने किया नाबार्ड के स्टेट फोकस पेपर का विमोचन

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). नाबार्ड ने हरियाणा राज्य में प्राथमिकता क्षेत्र ऋण के तहत वर्ष 2025-26 के लिए रुपये 3.14 लाख करोड़ की ऋण संभाव्यता का आकलन किया है जो पिछले वर्ष की तुलना में 37.64% अधिक है। कृषि, एमएसएमई और शिक्षा व नवीकरणीय ऊर्जा आदि प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों के अंतर्गत ऋण संभाव्यता की हिस्सेदारी क्रमश 36%, 57% और 7% आकलित की गई है। नाबार्ड के स्टेट फोकस पेपर (एसएफपी) का विमोचन विवेक जोशी, आईएएस, मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार द्वारा चंडीगढ़ में 30 जनवरी 2025 को आयोजित राज्य क्रेडिट सेमिनार के दौरान निवेदिता तिवारी, मुख्य महाप्रबंधक, नाबार्ड: बैंकों, राज्य सरकार और राज्य के उच्च शैक्षणिक संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.